द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.)

क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक सत्र **2024-2026** से लागू

M.Ed Two Years Credit Based Curriculum

(As per NCTE-2014 Regulation and NEP-2020)

शिक्षापीठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110016

शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

कोर्स कोड (Course code)	कोर्स संख्या (course No.)	कोर्स का नाम (Name of the course)	कोर्स श्रेणी (Course Category)	कुल अंक (Total Marks)	कुल क्रेडिट्स (Total Credits)	घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks)	घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester)
		Theory (सैद्धान्तिक)		**400**	**16**	**20**	**400**
201	1	शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य(Philosophical Perspectives of Education)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
202	2	अधिगम का मनोविज्ञान (Psychology of Learning)	संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
203	3	शैक्षिक अनुसंधान प्रविधि (Methodology of Educational Research)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
204	4	शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology)	संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool)	100 75 (E)+25 (I)	04	04	80
211		**प्रायोगिक (Practicum)**	प्रायोगिक **(Practicum)**	**100**	**04**	**04**	**80**
(i)		आधुनिक एवं भारतीय दार्शनिको के शैक्षिक विचारों का समीक्षात्मक अध्ययन।		20			
(ii)		मनोवैज्ञानिक चिन्तन धाराओं (व्यवहारवादी, संज्ञानवादी, रचनावादी) के अग्रणी चिन्तकों के अवदान का समीक्षात्मक अध्ययन।		20			
(iii)		शोध उपकरण निर्माण (कम से कम एक उपकरण निर्माण)।		20			
(iv)		**Power Point** निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण		20			
(v)		सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति।		20			
212		**शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)**	**अनिवार्य Compulsory**	**50**	**2***	**80% अनिवार्य**	
(i) (ii) (iii) (iv)		संस्कृत सम्भाषण परिसर आधारित स्वच्छता अभियान खेल–कूद सामुदायिक कार्य					

प्रश्नपत्र - 1 शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

(Philosophical Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 201 | कुल क्रेडिट्स = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा और दर्शन की प्रकृति का अवबोध कर सकेंगे।
- विद्या के विशेष सन्दर्भ में भारतीय विचारधाराओं तथा इस्लामी दृष्टिकोण का विश्लेषण कर सकेंगे।
- शैक्षिक सम्प्रत्ययों, प्रतिमानों, एवं धारणाओं का समीक्षात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
- मूल्यशिक्षा एवं उसके विविध आयामों और शान्तिशिक्षा के संप्रत्ययों के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर सकेंगे।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई- १ : शिक्षा दर्शन- शिक्षा तथा दर्शन का अर्थचिन्तन, शिक्षा और दर्शन का सम्बन्ध, दर्शन की प्रमुख शाखाओं- तत्त्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा, मूल्यमीमांसा एवं तर्कशास्त्र का परिचय। पाठ्यचर्चा की अवधारणा तथा उसका दार्शनिक आधार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सन्दर्भ में।

इकाई- २ : विद्या के विशेष सन्दर्भ में भारतीय विचारधाराओं षड-दर्शन- (सांख्य, योग, वेदान्त, मीमांसा, न्याय, वैशेषिक), बौद्ध तथा जैन दर्शन का योगदान, दयानन्द दर्शन, शैक्षणिक लक्ष्य तथा प्रामाणिक ज्ञानार्जन के प्रति इस्लामी दृष्टिकोण।

इकाई- ३: भारतीय एवं पाश्चात्य विचारधाराओं (आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, व्यावहारिकतावाद, अस्तित्ववाद एवं मार्क्सवाद) का योगदान।

इकाई- ४ : मूल्य और नैतिकता - मूल्य शिक्षा की अवधारणा, प्रकार, भारतीय शिक्षानीतियों-1968,1986 तथा 2020 में मूल्यशिक्षा सम्बन्धी विचार, भारतीय संविधान में निहित मूल्य।

इकाई- ५ : नीतिशास्त्र और शिक्षा - नीतिशास्त्र का परिचय, शैक्षिक सन्दर्भ में नैतिकता (शोध, नैतिक प्रतिबद्धता, आचार संहिता और व्यावसायिक नैतिकता के विशेष सन्दर्भ में)।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो — **25 अंक**

1. भारतीय समसामायिक वार्ता पत्रिका तथा शोध पत्रिकाओं में आये शैक्षिक विचारों पर संवाद तथा स्वतन्त्र लेख।
2. केन्द्र राज्य स्तरीय मूल्यशिक्षा सम्बन्धित दस्तावेजों का अनुशीलन (**N.C.E.R.T** आदि संस्थाओं द्वारा प्रकाशित)
3. महिला शिक्षाविदों के शैक्षिक विचारों का अध्ययन तथा प्रस्तुति- वोल्सटनक्राफट, नेल नोडिंग्स् तथा सावित्रीबाई फुले के सन्दर्भ में।

अध्येय ग्रन्थ–

पाण्डेय,के.पी., (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।

पाण्डेय, आर.एस., (1997) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।

गैरोला, वाचस्पति, (1995) भारतीय दर्शन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

शर्मा, चन्द्र धर, (1995) भारतीय दर्शनः आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
झा, नागेन्द्र, (1992) वैदिक शिक्षा पद्धति एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति, वेंकटेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
मिश्र, भास्कर, (2001) वैदिक शिक्षा मीमांसा, ईस्टन बुक लिंकर्स, चन्द्रावल, दिल्ली।
मिश्र, भास्कर, (2000) शिक्षा संस्कृति नये सन्दर्भ में, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली।
भण्डारी, आर. एवं विजय श्री, (1998)भारतीय दार्शनिक चिन्तन, न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन
पाठक, आर.पी., (2011) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय सिद्धान्त, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
उपाध्याय, आचार्य,बलदेव (1991) भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वराणसी ।
रस्क, आर., (1970) शिक्षा के दार्शनिक आधार जयपुर, राजस्थान, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
पाठक, आर.पी., (2009) भारतीय परम्परा में शैक्षिक चिन्तन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
पाठक, आर.पी., (2011) भारत के महान शिक्षाशास्त्री , पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
पाठक, आर.पी., (2012) विश्व के महान शिक्षाशास्त्री , पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
ओड, एल.के. (1990) शिक्षा के दार्शनिक पृष्ठ भूमि, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
नेल्सन, वी.एच. (1990) मार्डन फिलासाफीज एण्ड एजूकेशन, सेन्ट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद।
लाल, रमन बिहारी एवं पलोड़, सुनीता (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
शर्मा,आर. ए.(1995) तत्व मीमांसा, ज्ञान मीमांसा, मूल्य मीमांसा एवं शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ. प्र.।
लाल, रमन बिहारी (2007) शैक्षिक चिन्तन एवं प्रयोग, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
ब्रूवेकर जे.एस. (1969) मार्डन फिलॉसफीज ऑफ एजुकेशन, मैकग्राहिल, पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली।
Vinoba Bhave Acharya ,Thoughts on Education; (1985)Sarva Seva Sangh, Varanasi .
सिकरवार:, डा. प्रेमसिंह, (२०१६)शिक्षाया: दार्शनिकसामाजिकाधारा:,एम.बी.पब्लिशर्स, जयपुरम्।
सिकरवार:, डा. प्रेमसिंह, (२०१६)वैश्विकचिन्तका:,एम.बी.पब्लिशर्स, जयपुरम्।
पाठक रमेश प्रसाद एवं शर्मा सारिका(2018): भारतीय शिक्षा के प्रवर्तक, कनिष्का प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
Pathak, R.P. and Bhardwaj Amita pandey (2018) Education Thinks of East and West Kaniksha Publishers, New Delhi.

अन्तर्जाल स्रोतः-

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

प्रश्नपत्र - 2 अधिगम का मनोविज्ञान

(Psychology of Learning)

कोर्स कोड = 202 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- भारतीय तथा पाश्चात्य मनोविज्ञान की अवधारणा के सन्दर्भ में शिक्षा, शिक्षार्थी, एवं अधिगम की परिस्थितियों के विश्लेषण एवं अवबोध हेतु परिप्रेक्ष्य विकसित कर सकेंगे ।
- अधिगम सिद्धान्तों की अवधारणओं से अवगत हो सकेंगें।
- सामाजिक अधिगम एवं सामाजिक संज्ञान की संकल्पना का परिचय देते हुए सामाजिक सक्षमता हेतु कौशलों का विकास कर सकेंगे ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि मे अंङ्गीकृत मूल-अवधारणाओं के आलोक में अभिप्रेरणा, सर्जनात्मकता एवं परासंज्ञान पर केन्द्रित उपयुक्त परिप्रेक्ष्य का विकास कर सकेंगे ।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई- १ : शिक्षा मनोविज्ञान एवं अधिगम- शिक्षा मनोविज्ञान की अवधारणा, महत्व तथा उद्देश्य । मनोविज्ञान के सम्प्रदाय-व्यवहारवादी, मनोविश्लेषणवादी, गेस्टाल्टवादी, संज्ञानवादी तथा रचनावादी परिप्रेक्ष्य का शिक्षा एवं शिक्षण में निहितार्थ। अधिगम का अभिप्राय, अधिगम के नियम । अधिगम के व्यवहारपरक सिद्धान्त-टोलमैन का संकेत अधिगम तथा लेविन का संज्ञानात्मक क्षेत्र सिद्धान्त।

इकाई- २ : संज्ञानात्मक एवं सामाजिक अधिगम- संज्ञानात्मक अधिगम-पियाजे, ब्रूनर एवं ऑसबेल की दृष्टि में अधिगम की अवधारणा, सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग। सामाजिक अधिगम - अभिप्राय, सामाजिक अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक सक्षमता, सामाजिक संज्ञान की संकल्पना, सामाजिक सम्बन्ध तथा सामाजीकरण के लक्ष्य। बन्दुरा का सामाजिक अधिगम सिद्धान्त। अद्यतन रचनावादी अवधारणाएँ- नोवाक तथा वाइगोत्सकी के संदर्भ में एवं उनका शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई- ३ : अभिप्रेरणा का मनोविज्ञान -अभिप्राय एवं अभिप्ररेणा के प्रकार, सिद्धान्त- विषयगत सिद्धान्त -मैक्लीलैण्ड का आवश्यकता सिद्धान्त, मासलो के अभिप्रेरणा सिद्धान्त का एल्डरफर द्वारा संशोधित विकसित प्रतिमान, प्रक्रियागत सिद्धान्त- विक्टर व्रूम एवं पोर्टर लॉलर के प्रत्याशा सिद्धान्त तथा स्किनर का प्रबलन सिद्धान्त:, सकारात्मक नकारात्मक प्रबलन की रीतियाँ, दण्ड एवं विलोप।

इकाई- ४ : चिन्तन एवं सर्जनात्मकता का मनोविज्ञान -चिन्तन की अवधारणा, महत्व एवं प्रकार समालोचनात्मक चिन्तन, समस्या समाधान की संकल्पनाएँ। सर्जनशीलता- अवधारणा, पहचान तथा संवर्धन के उपायों का शैक्षिक सन्दर्भ में अध्ययन परासंज्ञान तथा सर्जनात्मकता।

इकाई- ५ : भारतीय मनोविज्ञान- भारतीय मनोविज्ञान की अवधारणा तथा महत्व, मानसिक शक्ति एवं चेतना के उन्नयन में अष्टांग योग एवं पंचकोशीय अवधारणा का महत्व। पुरूषार्थ चतुष्टय की अवधारणा तथा शैक्षिक संदर्भ में प्रासंगिकता। सर्जनशीलता के रूप में प्रतिभा एवं क्षमता की भारतीय अवधारणा।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. भारतीय तथा पाश्चात्य मनोविज्ञान के मुख्य तत्वों पर आधारित समूह परिचर्चा।
2. किसी बालक का सर्जनशीलता के सन्दर्भ में व्यष्टि अध्ययन।
3. सामाजिक सक्षमता हेतु कौशलों के विकास पर आधारित कार्यशाला।

अध्येय ग्रन्थ–

सिंह, (2006) अरूण कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन, आगरा, उ.प्र.।

जायसवाल, सीताराम, (1990) भारतीय मनोविज्ञान और शिक्षा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।

पाण्डेय, के.पी., (2005) नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।

चौबे एस.पी.,(1995) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।

पाण्डेय आर.एस., (1995) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।

पाल, हंसराज, (2006) प्रगत शिक्षा मनोविज्ञान, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली वि.वि.।

गुप्ता, एस.पी., (2010) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद।

मंगल, एस.के., (2006) शिक्षा मनोविज्ञान, प्रेन्टिस हाल आफ इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी., (2006) उच्च शिक्षा मनोविज्ञान-एक परिचय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2014) शिक्षा मनोविज्ञान के आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी., (2018)शिक्षा मनोविज्ञान के परिप्रेक्ष्य अटलांटिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

Bandura, A. and Walters, (1936) R.H., Social Learning and Personality Development, Holt, Rinehart and Winston.

Hilgard E.R.and Bower Gardon, H., (1977) Theories of learning, Prentice Hall of India, New Delhi.

Chauhan S.S., (1998) Advanced Educational Psychology, Vikas Publishing House, New Delhi.

Mathur S.S., (2000) Educational Psychology (Hindi EditionAlso) Vinod Pustak Mandir, Agra.

Pandey, K.P., (1998) Advanced Educational Psychology; Konark Pub lishers, New Delhi.

Ausubel, D., (1963) The Psychology of Meaningful Verbal Learning, Grune and Stratton.

Hall, C.S and Lindzey, G., (1978) Theories of Personality, 3rd ed, Wiley.

अन्तर्जाल स्रोतः-

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

प्रश्नपत्र - 3 शैक्षिक अनुसन्धान प्रविधि

(Methodology of Educational Research)

कोर्स कोड = 203 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी-

- शैक्षिक अनुसन्धान की अवधारणा, उद्देश्य, महत्व एवं क्षेत्र बता सकेंगे ।
- भारतीय ज्ञान परम्परा में शैक्षिक अनुसन्धान के प्रति जागरुक हो सकेंगे ।
- शैक्षिक अनुसन्धान के उपागमों एवं विधियों का समुचित प्रयोग कर सकेंगे ।
- सम्बन्धित साहित्य सर्वेक्षण एवं शोध समस्या निरुपण में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे ।
- जनसंख्या एवं प्रतिदर्श के सम्प्रत्यय को समझकर प्रतिदर्श चयन प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे ।
- शैक्षिक अनुसन्धान में प्रयुक्त उपकरण एवं प्रविधियों की विशेषताओं को जानकर उनका निर्माण एवं अनुप्रयोग कर सकेंगे ।
- अनुसन्धान प्रक्रिया में संगणक का अनुप्रयोग कर सकेंगे ।

पाठ्य–वस्तु (Content) — 75 अंक

इकाई- १ : शैक्षिक अनुसन्धान -

- अवधारणा, उद्देश्य, महत्व, क्षेत्र तथा अन्तर्विद्यापरकता, आचार संहिता ।
- प्रकार- मौलिक, व्यवहृत एवं क्रियात्मक अनुसन्धान । प्रयोजन आधारित प्रकार - व्याख्यात्मक (**Explanatory**), खोजपरक (**Exploratory**), वर्णनात्मक (**Descriptive**), विश्लेषणात्मक (**Analytical**)
- उपागम - गुणात्मक, मात्रात्मक, मिश्रित, त्रिभुजीकरण (**Triangulation**)
- भारतीय ज्ञान परम्परा में अनुसन्धान, संस्कृत शोध के सम्बन्ध में शोध विधाएँ एवं अग्रणी संस्थाएँ ।

इकाई- २ : शोध समस्या निरूपण -

- सम्बन्धित साहित्य सर्वेक्षण - अभिप्राय, महत्व, स्रोत एवं लेखन ।
- शोध समस्या- निरूपण / चयन, समस्या कथन, उद्देश्य, सीमांकन ।
- सम्प्रत्यय (**Concept**), अन्वय (**Construct**), एवं चर (**Variable**)- अभिप्राय ।
- चर के प्रकार- सतत एवं असतत, स्वतन्त्र, आश्रित, मध्यवर्ती, परिनियामक एवं बाह्य चर ।
- परिकल्पना- अभिप्राय, स्रोत, विशेषताएँ, निरुपण (सम्प्रत्ययात्मक एवं सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि) । प्रकार- शोध एवं सांख्यिकीय परिकल्पना । शून्य, वैकल्पिक, दिशात्मक एवं अदिशात्मक परिकल्पना ।
- शोध प्रश्न-अभिप्राय, विशेषताएँ एवं लेखन ।

इकाई- ३ : अनुसन्धान विधि-

- मात्रात्मक अनुसंधान विधियाँ - सर्वेक्षण, प्रयोगात्मक, कार्योत्तर विधि की अवधारणा, विशेषताएँ एवं अभिकल्प ।
- गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ- ऐतिहासिक, दार्शनिक, संकेन्द्रिक समूह परिचर्चा (**Focused Group Discussion**), आख्यात्मक (**Narrative**), व्यष्टि अध्ययन (Case Study), ग्राउंडेड सिद्धांत (Grounded Theory), सांकेतिक अन्तर्क्रिया (Symbolic Interaction), नृजातिय (Ethnography) ।

इकाई- ४ : जनसंख्या एवं न्यादर्श-

- Universe, जनसंख्या, न्यादर्श - अभिप्राय, परिभाषीकरण, न्यादर्श रचना (**Sampling Frame**) न्यादर्श आकार (**Sample Size**)
- प्रतिदर्श चयन प्रविधियाँ - सम्भाव्य एवं असम्भाव्य ।
- पैरामीटर एवं सांख्यिकी।
- अनुसन्धान प्रक्रिया में संगणक का अनुप्रयोग

इकाई- ५ : प्रदत्त संकलन-

- **प्रदत्त**- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार (मात्रात्मक एवं गुणात्मक) ।
- प्रदत्त संकलन प्रविधियाँ- निरीक्षण, साक्षात्कार, समाजमिति, प्रक्षेपीय प्रविधियाँ ।
- शोधोपकरण- प्रश्नावली, अनुसूची, निर्धारण मापनी, परीक्षण- अभिप्राय एवं विशेषताएँ ।
- शोधोपकरण निर्माण एवं मानकीकरण
- शोधोपकरण की विशेषताएँ- वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता वैधता ।

सत्रीय कार्य :- निम्नलिखित में से कोई दो कार्य **25 अंक**

1. विभिन्न शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोधों से सम्बन्धित अध्ययनों का शोध सारांश एवं प्रस्तुति। (कम से कम दो शोध सारांश)
2. न्यादर्श चयन के प्रकारों पर आधारित प्रायोगिक कार्य एवं प्रस्तुति।
3. मात्रात्मक या गुणात्मक किसी एक प्रतिमान के अनुसार शोध अभिकल्प तैयार करना।
4. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–

कौल लोकेश (2011) शैक्षिक अनुसन्धान की कार्य प्रणाली विकास पब्लिशिंग हाऊस प्रा. लि. नोएडा

गुप्ता, एस.पी., (1998) शिक्षा में सांख्यिकी, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.।

गुप्ता एस.पी., (2000) अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।

पाण्डेय, के.पी. (2005) शिक्षा तथा मनोविज्ञान में सांख्यिकी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।

त्रिपाठी, एल.बी. एवं भार्गव, हरप्रसाद, (1990) मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा, उ.प्र.।

पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।

भटनागर. ए.बी. (2002) शिक्षा अनुसंधान की कार्यप्रणाली, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

शर्मा,आर. ए.(2005)) शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.
।

Best, John W., (2000) Research in Education, Prentice Hall Inc, New Delhi.
Creswell, J.W., (2015) Educational Reserch, Person Education India
Kerlinger, F.N., (2000) Foundations of Behaviroal Research, Surjeet Publications, Kamla Nagar, New Delhi
Keeves, J.P., Educational Research Methodology And Measrement, International Handbook, Pergamon Press.
Pathak, R.P., Research in Psychology and Education, Pearson Education, New Delhi.
Pathak R.P. (2008) Methodology of Educational Research, Atlantic Publishers New Delhi.
Pandey,K.P., (2005) Fundamentals of Educational Research; Vishwavidyalaya Prakashan, Chowk, Varanasi.

अन्तर्जाल स्रोतः-

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

प्रश्नपत्र - 4 शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(Educational Technology)

कोर्स कोड = 204 कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- शैक्षिक प्रौद्योगिकी की अवधारणा के सम्प्रत्यय, उद्देश्य एवं प्रकारों की व्याख्या कर सकेंगें।
- व्यवस्थित प्रेक्षण विधियों के माध्यम से शिक्षण व्यवहार का विश्लेषण कर सकेंगें।
- अनुदेशनात्मक प्रणालियों का अभिकल्पन कर सकेंगें।
- शिक्षण प्रतिमान और सिद्धान्तों के आधारभूत तत्वों की विवेचना कर सकेंगें।
- अभिक्रम निर्माण प्रक्रिया में अर्न्तदृष्टि प्राप्त कर सकेंगें।
- ई-कोर्स एवं ई-संसाधन निर्माण प्रक्रिया में अर्न्तदृष्टि प्राप्त कर सकेंगें।
- डिजिटल उपकरण द्वारा ई-संसाधन निर्माण कर सकेंगें।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

इकाई – १ : शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी

शैक्षिक प्रौद्योगिकी- अभिप्राय, प्रकृति, उद्देश्य, उपागम (कठोर, कोमल, प्रणालीतन्त्र) TPACK एवं क्षेत्र। प्रोडक्ट टेक्नोलॉजी एवं आइडिया टेक्नोलॉजी तथा दोनो मे सम्बन्ध।

सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार एवं उपयोगिता। सम्प्रेषण - अभिप्राय, अवयव, प्रकिया, अवरोधक तत्व। फिल्पिड, ब्लैण्डेड तथा ऑनलाइन अधिगम- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकिया एवं उपयोगिता।

इकाई – २ : शिक्षण व्यवहार विश्लेषण एवं शिक्षण अधिगम प्रबन्धन-

शिक्षण व्यवहार विश्लेषण- अवधारणा, विशेषताएँ एवं विश्लेषण विधियाँ- फ्लैण्डर का अन्त:क्रिया विश्लेषण **(FIAC)** ओबर्स की पारस्परिक अनुवर्ग विधि (RCS), बेण्टले एवं मिलर की समकक्ष वार्ता श्रेणी विधि (ETC)– उद्देश्य, श्रेणियाँ, विश्लेषण विधि एवं उपयोगिता।

शिक्षण अधिगम प्रबन्धन: नियोजन- कार्य विश्लेषण, प्रशिक्षण एवं अधिगम की आवश्यक को पहचानना और शैक्षिक उद्देश्यों का प्रतिपादन। **संगठन**- उपयुक्त युक्तियाँ, कक्षा आकार एवं सम्प्रेषण व्यूहरचना का चयन। **अग्रसरण**- अग्रसरण हेतु अभिप्रेरणा का अनुप्रयोग, कौशल का चयन **नियन्त्रण**- अधिगम प्रणाली उद्देश्य, मापन एवं मूल्यांकन।

इकाई – ३ : शिक्षण सिद्धान्त एवं प्रतिमान- प्रतिमान एवं सिद्धान्त की अवधारणा में मुख्य अन्तर।

शिक्षण के सिद्धान्त-धात्री सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त, ढलाई का सिद्धान्त एवं परस्पर पृच्छा सिद्धान्त (विशेषताएं, सीमाएं एवं शैक्षिक निहितार्थ)।

शिक्षण के प्रतिमान- अवधारणा एवं आधारभूत तत्त्व। कुछ चयनित शिक्षण प्रतिमान - विकासात्मक प्रतिमान (पियाजे), एडवान्स आरगनाईजर (ऑसवेल), पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान (सचमैन), शिक्षक प्रशिक्षक प्रतिमान (हिल्डा-टाबा) के अवयव, विशेषताएँ, सीमाएँ एवं शैक्षिक निहितार्थ तथा प्रत्येक शिक्षणप्रतिमान पर आधारित पाठ-योजना।

इकाई - ४ : अभिक्रमित अधिगम - अभिक्रमित अधिगम की अवधारणा तथा ऐतिहासिक विकास। अभिक्रमित अधिगम के सिद्धान्त एवं प्रकार (रेखीय, शाखीय तथा मैथेटिक्स), कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन।

अभिक्रम निर्माण अवस्थाएं- (i) अभिक्रम नियोजन-प्रकरण चयन,विषय वस्तु विश्लेषण, अधिगमकर्त्ता की मान्यताएं, उद्देश्य लेखन, पूर्व अपेक्षित कौशल एवं निकष परख निर्माण। (ii) अभिक्रम लेखन-अभिक्रम के संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक तत्व, पद लेखन, एवं अनुक्रम, अभिक्रम संपादन एवं संशोधन। (iii) अभिक्रम परीक्षण - व्यक्तिगत, लघुसमूह और क्षेत्र परीक्षण। (iv) अभिक्रम का मूल्याकंन - त्रुटि दर, सूचना घनत्व, अनुक्रम प्रगमन और 90/90 मानक स्तर।

इकाई - ५ : ई कोर्स एवं ई संसाधन

- **ई कोर्स** -अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार, निर्माण एवं उपयोगिता। (SWAYAM के संदर्भ में)।
- **ई-संसाधन**- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार (पाठ्यवस्तु, चित्र, ऑडियो वीडियो,) डिजिटल उपकरणों द्वारा निर्माण एवं उपयोगिता।
- पावरपाइण्ट निर्माण एवं प्रस्तुति।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से कोई दो कार्य **25 अंक**

1. शिक्षण प्रतिमानों पर आधारित पाठयोजना निर्माण।
2. रेखीय अभिक्रम निर्माण (किसी विद्यालयीय विषय पर)।
3. किसी व्यवस्थित प्रेक्षण विधि का प्रयोग द्वारा शिक्षण व्यवहार विश्लेषण एवं आशोधन।
4. कोई एक ई-संसाधन निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–

मिश्र, करूणा शंकर, (1995) शिक्षण में नवचिन्तन, संज्ञानालय, कानपुर, उ.प्र.।

पाण्डेय, के.पी., (1992)अभिक्रमित अधिगमन की टेकनालॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी, उ.प्र.।

पाठक, आर.पी.(2011) शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

शर्मा,आर. ए.(2002)) शिक्षा के तकनीकी आधार, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

भटनागर. ए.बी. (2000)) शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

सक्सेना, एन.आर. स्वरूप (2006)) शिक्षण की तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

शर्मा,आर. ए.(2010))सूचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

शर्मा,आर. ए.(2005)) शिक्षणशास्त्र के मूल तत्व, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

पाठक, आर.पी.(2014) शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विकास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

Pandey, K.P., (1997) Modern Concepts of Teaching Behaviour, Anamika Publications, New Delhi.

K. Sampat and et.all, (1990) Education Technology Sterling Publishing Pvt.Ltd., New Delhi.

Bruner, J.S., (1980) Towards Theory of Instruction, Mass Hardward University Press, Cambridge.

Singh, L.C. (1990) Microteaching, Bhargava Book Depot, Agra. U.P.

Allen And Ryan, (1985) Microteaching, Addison Wesley, New York.

Shelter, P A (1980) History of Instructional Technology, Megran, New York.

Bruce Joyce and Marsha Weil, (1975) Models of Teaching, Prentice Hall of India. New Delhi.

Passi B.K., (1985) Becoming Better Teacher, Sahitya Mudranalaya, Ahmadabad.

Pathak,R.P.,(2010) : Educational Technology : Pearson Education New Delhi.

पाठक, रमेश प्रसाद (2018)शैक्षिक प्रोद्योगिकी एवं जन संचार माध्यम कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

अन्तर्जाल स्रोतः-

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।